सौर परियोजना में IFC का निवेश

स्रोत: लाइव मिंट

हाल ही में विश्व बैंक **की निजी क्षेत्रीय ऋण शाखा,** अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC) ने **राजस्थान में** 550 मेगावाट पीक (MWp) **सौर ऊर्जा परियोजना** के आंशिक वित्तपोषण के लिये 105 मिलियन अमेरिकी डॉलर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

- **MWp का तात्पर्य सौर या पवन ऊर्जा परियोजना का अधिकतम विद्युत उत्पादन क्षमता** से है जो पवन की गति और **सूर्य के प्रकाश के सामर्थ्य के आधार पर भिन्न-भिन्न** होती है।
- इस निवेश का उद्देश्य दीर्घकालिक ऊर्जा अनुबंधों के माध्यम से **संपूर्ण भारत में व्यवसायों और उद्योगों को सौर विद्युत के लिये सस्ती कीमतें उपलब्ध कराना** है। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन **को कम करने** के भारत के प्रयासों को समर्थन मिलेगा।
- भारत सरकार ने **वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा (RE) क्षमता हासिल करने** की महत्त्वाकांक्षी योजना बनाई है, जिससे ऊर्जा संक्रमण क्षेत्र के निवेश में वृद्धि होगी।
- विश्व बैंक की स्थापना **वर्ष 1944 में IMF** के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) के रूप में की गई थी। **IBRD ही बाद में विश्व बैंक बना**
    - IFC **विकासशील देशों में निजी क्षेत्र पर केंद्रित सबसे बड़ी वैश्विक विकास संस्था होने का दावा करती है।** IFC यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि विकासशील देशों में निजी उद्यमों को बाज़ार और वित्तपोषण तक पहुँच प्राप्त हो।

और पढ़ें: नवीकरणीय ऊर्जा, विश्व बैंक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ifc-s-investment-in-solar-project